DAY - 13

वो, तुझ पर, प्रबल न होने पाएगा

आज का संदेश है कि अगर आप यहोवा के प्रति विश्वासयोग्य हैं, तो आपका शत्रु आप पर विजय नहीं पाएगा।

यह कहानी हामान की पत्नी और उसके दोस्तों के परामर्श से शुरू होती है, जो हामान को *50* हाथ ऊँचा फाँसी का फंदा तैयार करने के लिए कहते हैं ताकि यहूदी मोर्दकै को फाँसी पर चढ़ा सके, क्योंकि मोर्दकै हामान के सामने झुकने से इंकार करता है। एक यहूदी होने के नाते, मोर्दकै के लिए किसी मनुष्य के सामने झुकना मना था।

तो हामान इस योजना को बनाता है कि वह मोर्दकै को नष्ट करेगा। परन्तु बाद में, एस्तेर ***5:14*** में वही लोग हामान को चेतावनी देते हैं कि *"*मोर्दकै, जो यहूदियों के वंश से है, उसके विरुद्ध तू सफल नहीं होगा*;* वास्तव में, तूने गिरना शुरू कर दिया है।*"*

इससे हमें यह सिखने को मिलता है कि जब हम यहोवा के प्रति विश्वासयोग्य होते हैं, तब शत्रु हमारे विरुद्ध सफल नहीं हो पाता।

विश्वासयोग्य बने रहें।

This passage starts with Haman's wife and friends telling Haman to make a 50 cubit long gallow to hang Mordecai the Jew why because he doesn't choose to bow before him because it is forbidden for a jew to bow down before a man.

So he designs the strategy to kill Mordecai the Jew later he will realise in Esther 5:14 the same people who told him to hang Mordecai on a 50 cubit gallow advising him. Mordecai being the seed of the Jew. You will not prosper against him, in fact you have begun to fall.

Today's message is to help the people understand if they are faithful with the Lord. your enemy will not prevail against you.

Remain faithful.

एस्तेर **5**
[14] उसकी पत्नी जेरेश और उसके सब मित्रों ने उस से कहा, पचास हाथ ऊंचा फांसी का एक खम्भा, बनाया जाए, और बिहान को राजा से कहना, कि उस पर मोर्दकै लटका दिया जाए; तब राजा के संग आनन्द से जेवनार में जाना। इस बात से प्रसन्न हो कर हामान ने बैसा ही फांसी का एक खम्भा बनवाया।

अध्याय 6
उस रात राजा को नींद नहीं आई, इसलिये उसकी आज्ञा से इतिहास की पुस्तक लाई गई, और पढ़कर राजा को सुनाई गई।
[2] और यह लिखा हुआ मिला, कि जब राजा क्षयर्ष के हाकिम जो द्वारपाल भी थे, उन में से बिगताना और तेरेश नाम दो जनों ने उस पर हाथ चलाने की युक्ति की थी उसे मोर्दकै ने प्रगट किया था।
[3] तब राजा ने पूछा, इसके बदले मोर्दकै की क्या प्रतिष्ठा और बड़ाई की गई? राजा के जो सेवक उसकी सेवा टहल कर रहे थे, उन्होंने उसको उत्तर दिया, उसके लिये कुछ भी नहीं किया गया।
[4] राजा ने पूछा, आंगन में कौन है? उसी समय तो हामान राजा के भवन से बाहरी आंगन में इस मनसा से आया

Prepared for internal Circulation by Ps. Peter Benjamin. All right reserved.

था, कि जो खम्भा उसने मोर्दकै के लिये तैयार कराया था, उस पर उसको लटका देने की चर्चा राजा से करे।
5 तब राजा के सेवकों ने उस से कहा, आंगन में तो हामान खड़ा है। राजा ने कहा, उसे भीतर बुलवा लाओ।
6 जब हामान भीतर आया, तब राजा ने उस से पूछा, जिस मनुष्य की प्रतिष्ठा राजा करना चाहता हो तो उसके लिये क्या करना उचित होगा? हामान ने यह सोच कर, कि मुझ से अधिक राजा किस की प्रतिष्ठा करना चाहता होगा?
7 राजा को उत्तर दिया, जिस मनुष्य की प्रतिष्ठा राजा करना चाहे,
8 तो उसके लिये राजकीय वस्त्र लाया जाए, जो राजा पहिनता है, और एक घोड़ा भी, जिस पर राजा सवार होता है, ओर उसके सिर पर जो राजकीय मुकुट धरा जाता है वह भी लाया जाए।
9 फिर वह वस्त्र, और वह घोड़ा राजा के किसी बड़े हाकिम को सौंपा जाए, और जिसकी प्रतिष्ठा राजा करना चाहता हो, उसको वह वस्त्र पहिनाया जाए, और उस घोड़े पर सवार कर के, नगर के चौक में उसे फिराया जाए; और उसके आगे आगे यह प्रचार किया जाए, कि जिसकी प्रतिष्ठा राजा करना चाहता है, उसके साथ ऐसा ही किया जाएगा।
10 राजा ने हामान से कहा, फुर्ती कर के अपने कहने के अनुसार उस वस्त्र और उस घोड़े को ले कर, उस यहूदी मोर्दकै से जो राजभवन के फाटक में बैठा करता है, वैसा ही कर। जैसा तू ने कहा है उस में कुछ भी कमी होने न पाए।
11 तब हामान ने उस वस्त्र, और उस घोड़े को ले कर, मोर्दकै को पहिनाया, और उसे घोड़े पर चढ़ा कर, नगर के चौक में इस प्रकार पुकारता हुआ घुमाया कि जिसकी प्रतिष्ठा राजा करना चाहता है उसके साथ ऐसा ही किया जाएगा।
12 तब मोर्दकै तो राजभवन के फाटक में लौट गया परन्तु हामान शोक करता हुआ और सिर ढांपे हुए फट अपने घर को गया।
13 और हामान ने अपनी पत्नी जेरेश और अपने सब मित्रों से सब कुछ जो उस पर बीता था वर्णन किया।
14 तब उसके बुद्धिमान मित्रों और उसकी पत्नी जेरेश ने उस से कहा, मोर्दकै जिसे तू नीचा दिखना चाहता है, यदि वह यहूदियों के वंश में का है, तो तू उस पर प्रबल न होने पाएगा उस से पूरी रीति नीचा ही खएगा। वे उस से बातें कर ही रहे थे, कि राजा के खोजे आकर, हामान को एस्तेर की की हुई जेवनार में फुर्ती से लिवा ले गए।

अध्याय 7
सो राजा और हामान एस्तेर रानी की जेवनार में आगए।
2 और राजा ने दूसरे दिन दाखमधु पीते-पीते एस्तेर से फिर पूछा, हे एस्तेर रानी! तेरा क्या निवेदन है? वह पूरा किया जाएगा। और तू क्या मांगती है? मांग, और आधा राज्य तक तुझे दिया जाएगा।
3 एस्तेर रानी ने उत्तर दिया, हे राजा! यदि तू मुझ पर प्रसन्न है, और राजा को यह स्वीकार हो, तो मेरे निवेदन से मुझे, और मेरे मांगने से मेरे लोगों को प्राणदान मिले।
4 क्योंकि मैं और मेरी जाति के लोग बेच डाले गए हैं, और हम सब विध्वंसघात और नाश किए जाने वाले हैं। यदि हम केवल दास-दासी हो जाने के लिये बेच डाले जाते, तो मैं चुप रहती; चाहे उस दशा में भी वह विरोधी राजा की हानि भर न सकता।
5 तब राजा क्षयर्ष ने एस्तेर रानी से पूछा, वह कौन है? और कहां है जिसने ऐसा करने की मनसा की है?
6 एस्तेर ने उत्तर दिया है कि वह विरोधी और शत्रु यही दुष्ट हामान है। तब हामान राजा-रानी के साम्हने भयभीत हो गया।
7 राजा तो जलजलाहट में आ, मधु पीने से उठ कर, राजभवन की बारी में निकल गया; और हामान यह देखकर कि राजा ने मेरी हानि ठानी होगी, एस्तेर रानी से प्राणदान मांगने को खड़ा हुआ।
8 जब राजा राजभवन की बारी से दाखमधु पीने के स्थान में लौट आया तब क्या देखा, कि हामान उसी चौकी पर जिस पर एस्तेर बैठी है पड़ा है; और राजा ने कहा, क्या यह घर ही में मेरे साम्हने ही रानी से बरबस करना चाहता है? राजा के मुंह से यह वचन निकला ही था, कि सेवकों ने हामान का मुंह ढांप दिया।
9 तब राजा के साम्हने उपस्थित रहने वाले खोजों में से हर्बोना नाम एक ने राजा से कहा, हामान को यहां पचास हाथ ऊंचा फांसी का एक खम्भा खड़ा है, जो उसने मोर्दकै के लिये बनवाया है, जिसने राजा के हित की बात कही थी। राजा ने कहा, उसको उसी पर लटका दो।
10 तब हामान उसी खम्भे पर जो उसने मोर्दकै के लिये तैयार कराया था, लटका दिया गया। इस पर राजा की जलजलाहट ठंडी हो गई।

Prepared for internal Circulation by Ps. Peter Benjamin. All right reserved.

Here are four Hindi verses that affirm victory over the enemy declare it church:

1. यशायाह **54:17**
   "तेरे विरुद्ध बनाई हुई कोई हथियार सफल न होगी; और अदालत में तुझ पर जो भी दोष लगाएगा, उसे तू झूठा ठहराएगा। यह यहोवा के दासों का भाग है, और मुझसे उनकी धर्मता ठहराई जाएगी। यहोवा की यही वाणी है।"
2. व्यवस्थाविवरण **20:4**
   "क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे संग चलनेवाला है, कि तुम्हारे लिये तुम्हारे शत्रुओं से लड़े और तुम्हें जय दिलाए।"
3. रोमियों **8:37**
   "पर इन सब बातों में हम उसके द्वारा जो हम से प्रेम करता है, जयवन्त से भी बढ़कर हैं।"
4. **1** यूहन्ना **4:4**
   "हे बालको, तुम परमेश्वर के हो, और उन पर जय प्राप्त की है, क्योंकि जो तुम में है वह उस से बड़ा है जो संसार में है।"

Prepared for internal Circulation by Ps. Peter Benjamin. All right reserved.